Semester - I M.Ed - 2025 - 2027

(Meaning and Definitions of Intelligence)

बोलचाल की भाषा में बुद्धि शब्द का अर्थ विचार से लगाया जाता है। मानव सिर्फ प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है। अन्य जीवधारियों की अपेक्षा मानव सिर्फ की बुद्धि अत्यधिक तीक्ष्ण होती है। बुद्धि सामान्य रूप से बोला जाने वाला एक शब्द है। मनोविज्ञान के क्षेत्र में इस शब्द का प्रयोग व्यापक रूप से किया जाता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि मानव के समग्र व्यवहार में बुद्धि का महत्व सर्वोपरि होता है।

मनोविज्ञान के क्षेत्र में बुद्धि के स्वरूप को निर्धारित करने के लिए उसका अवलोकन करना आवश्यक है। अतः मनोवैज्ञानिकों द्वारा दी गई बुद्धि की परिभाषाओं में से कुछ मुख्य परिभाषाएं निम्नलिखित हैं।

(i) बुद्धि नई परिस्थितियों में बेहतर काम करने के लिए अपने व्यवहार प्रतिमान को पुनर्गठित करने का गुण है।

(ii) अच्छी तरह निर्णय लेना, भली प्रकार समझना, ठीक प्रकार से तर्क करना, ये बुद्धि की आवश्यक क्रियाएं हैं।

(iii) बुद्धि - जीवन की नवीन परिस्थितियों और समस्याओं के साथ अनुकूलन करने की सामान्य योग्यता है।

(iv) उपर्युक्त परिभाषाओं के अतिरिक्त वेक्सलर ने बुद्धि के स्वरूप को स्पष्ट करने के लिए अति स्पष्ट एवं विस्तृत परिभाषा प्रस्तुत की है। बुद्धिमान व्यक्ति अपने अनुभवों को प्रभावपूर्वक ग्रहण करता है। अधिक लेकिन समय तक अपने ध्यान को लगाये रखने में समर्थ होता है। एवं एक अप्रत्याशित परिस्थिति में तेजी से कम संकोचशीलता तथा कम गलतियों के साथ अनुकूलन करता है।

Teacher's Signature: ....P.K..........

अनुक्रिया की परिवर्तनशीलता और विविधता दिखलाती है। इन के सम्बन्धों को देखने में सक्षम होता है। अमूर्त चिन्तन कर सकता है। एक और नियोजन शक्ति में अधिक सामर्थ्य रखता है और आत्मालोचना के योग्य होता है।

बुद्धि को परिभाषित करने के लिए मनोवैज्ञानिकों ने अथक प्रयास किये हैं किन्तु किसी भी मनोवैज्ञानिक को सफलता नहीं मिली है। आज भी अनेक परिभाषायें उपलब्ध हैं। इनके आधार पर यही कहा जा सकता है कि बुद्धि एक मानसिक योग्यता है जिसमें अनेक योग्यताओं का समावेश रहता है। इन योग्यताओं को हम चार वर्गों में विभाजित कर सकते हैं।

(i) बुद्धि :- समायोजन की योग्यता है।
(ii) बुद्धि :- सीखने की योग्यता है।
(iii) बुद्धि :- चिन्तन की योग्यता है।
(iv) बुद्धि :- एक समग्र योग्यता है।

बुद्धि-लब्धि की संकल्पना :

प्रत्येक मानव शरीर में कुछ शक्तियाँ विद्यमान होती हैं। मानव शरीर में जन्म से ही उन शक्तियों सहित क्षमताओं में बुद्धि का भी अपना स्थान होता है। बुद्धि द्वारा ही शिशु ज्ञान प्राप्त करता है और आगे बढ़ता है।

बुद्धि-लब्धि का अभिप्राय :- यह सामान्य योग्यता की शक्ति की ओर संकेत करती है। प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक टर्मन और स्टर्न ने बुद्धि-लब्धि को इस प्रकार बताया है। बुद्धि-लब्धि यह बताती है कि शिशु की मानसिक योग्यता का किस गति से विकास हो रहा है।

Teacher's Signature:

Scanned with OKEN Scanner